has been made by the Film Industry to Government in this regard; and

(d) what are the demands of the film industry to revive it?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI H. K. L. BHAGAT): (a) There is no evidence to establish that the film industry is facing an acute recession.

(b) Production of films in India is primarily in the private sector. As such, information about number of feature films produced in the country is not available. However, information relating to number of films (language-wise) certified during 1987 by the Central Board of Film Certification under the Department of Culture is given in the attached statement (*See* below).

(c) and (d) The Government have in the recent past, received many representations from the film industry. The main demands of the film industry are recognition of film industry as an industry, relief in Central and State taxation, steps to combat video piracy and abolition of hire charges for showing news reels and documentaries produced by the Films Division in the cinema theatres.

Statement

No. of films certified during the year 1987 (Indian Feature Films)

Language:

Hindi	150
Gujarat	11
Bhojpuri	14
Marathi	27
Punjabi	8
Haryanvi	6
Brijbhasha	11
Nepali	6
Oriya	9
Assamese	8
Bengali	35
Tamil	167
Telugu	163
Kannada	88
Tulu	1
Malayalam	103
Rajasthani	4
Garhwali	3
Kumauni	1
English	1
TOTAL	806

प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित की गई पत्रिकाएं

1823. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रकाशन विभाग द्वारा किन-किन पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जाता है ;

(ख) इनमें से कितनी पत्रिकाएं मूलत: हिन्दी में लिखी जाती हैं और कितनी अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद-युक्त होती हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद का स्तर घटिया किस्म का होता है ; और

(घ) यदि हां, तो पत्रिकाओं में छपने वाली सामग्री मूलरूप में हिन्दी में लिखी जाये इसके लिए सहायक संपादकों और संपादकों आदि की नियुक्ति किए जाने में क्या कठिनाई है ?

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एच० के० एल० भगत): (क) सूचना संलग्न विवरण में दी गई है । (नीचे देखिये) ।

(ख) "योजना" (हिन्दी), "कुरुक्षेत्र" "आजकल" और "बाल भारती" हिन्दी में प्रकाशित की जाती हैं । अंग्रेजी

के "एम्प्लायमेंट न्यूज" को अनूदित करके "रोजगार समाचार" (हिन्दी) प्रकाशित किया जाता है । अंग्रेजी के संस्करणों में प्रकाशित विशेषज्ञों और प्रख्यात व्यक्तियों की कुछ महत्वपूर्ण और उपयोगी लेखों को अनुदित करके उन्हे हिन्दी के संस्करणों मे शामिल किया जाता है ताकि हिन्दी के पाठक भी इन लेखों का पूरा लाभ उठा सकें ।

(ग) जी, नही ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

विवरण

	प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएं	आवधिकता
1.	आजकल– हिन्दी	मासिक
2.	आजकल– उर्दू	मासिक
3.	बाल भारती– हिन्दी	मासिक
4.	इंडियन एंड फारेन रिव्यू–अंग्रेजी	पाक्षिक
5.	कुरुक्षेत्र– अंग्रेजी	मासिक
6.	कुरुक्षेत्र– हिन्दी	मासिक
7.	योजना– अंग्रेजी	पाक्षिक
8.	योजना– हिन्दी	पाक्षिक
9.	योजना– असमिया	पाक्षिक
10.	योजना– बंगला	पाक्षिक
11.	योजना– गुजराती	पाक्षिक
12.	योजना– कन्नड़	मासिक
13.	योजना– मराठी	पाक्षिक
14.	योजना– मलयालम	पाक्षिक
15.	योजना– तमिल	पाक्षिक
16.	योजना– तेलुगु	पाक्षिक
17.	योजना– पंजाबी	मासिक
18.	योजना– उर्दू	मासिक
19.	एम्पलाइमेंट न्यूज– अंग्रेजी	साप्ताहिक
20.	रोजगार समाचार– उर्दू	साप्ताहिक
21.	रोजगार समाचार– हिन्दी	साप्ताहिक

Houses for the Rural Landless Labour Scheme in M.P.

1824. SHRI AJIT P. K. JOGI:
SHRI DURGA PRASAD JAMUDA:

Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to refer to answer to Unstarred Question 696 and 697 given in Rajya Sabha on the 13th November, 1987 and state:

(a) whether any special campaign was launched to accelerate work on the Houses for the Rural Landless Labour Scheme during the Interna-